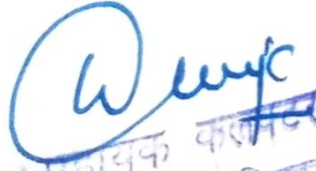


10.10.2023:-पत्रावली आज प्रार्थी अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र पर पेशी में लिया गया। प्रार्थी अधिवक्ता उपस्थित। प्रार्थीगण उपस्थित प्रार्थीगण के फर्द अहकाम पर हस्ताक्षर/अगुठा करवाया गया। प्रार्थीगण की पहचान प्रार्थीगण अधिवक्ता द्वारा की गई। मूल वादपत्र खारिज हो चुका है तो प्रार्थना-पत्र में कोई कार्यवाही शेष नहीं रह जाती। मूल वादपत्र खारिज होने के कारण प्रार्थीगण उक्त प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.ए. वर्तमान स्तर पर ही खारिज किया जाता है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तरबीज तकमील दाखिल दफ्तर हो।



  
सहायक कलम  
एवं उपखण्ड अधिकारी  
हनुमानगढ़